The draft legislation has been circulated to the State Governments and Union Territory Administrations and the comments received from them are being examined for finalising the draft. Consultation has also been initiated with Non-Government Organisaions so that their view may also be adequately reflected in the final draft.

Pollution Caused BCIL and BCCL washeries

12. SHRIMATI CHANDRAKALA PANDEY:

SHRIMATI SARALA MAHESHWARI:

Will the Minister of ENVIRONMENT AND FORESTS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Coal India Ltd. and BCCL washeries are the main cause for pollution and environmental degradation in their areas of operation; and

(b) if so, what effective measures Government have taken in this regard?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF ENVIRONMENT AND FORESTS (SHRI KAMAL NATH): (a) No, Sir. Re-circulation system has been introduced in washeries so that negligible discharge of effluent outside the washeries takes place.

(b) BCCL has constructed settling tanks for slurry and these are being cleaned regularly by mechanised system of slurry pond cleaning and State Pollution Control Board is regularly monitoring the operation of these measures.

प्रदूषण नियंत्रण कार्यक्रम

13 **श्री कनक सिंह मोहन सिंह मंगरोला** क्या **पर्यावरण और वन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार प्रदूषण नियंत्रण कार्यक्रमों सहित पर्यावरणीय योजनाओं में जनता को भागीदार बनाने का विचार रखती है ; और

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है ?

पर्यावरण और वन संत्रालय में राज्य मंत्री (श्री कमल नाथ) : (क) और (ख) जी, हां। प्रदूषण नियंत्रण कार्यक्रमों सहित विभिन्न, पर्यावरणीय कार्यक्रमों में जनता को भागीदार बनाने के बारे में अनेक सरकारी स्कीमें हैं।

(1) स्थानीय गैर सरकारी संगठनों की मदद से विभिन्न पर्यावरणीय मुद्दों पर लोगों को जागरूक बनाने के लिए राष्ट्रीय पर्यावरणीय जागरूकता कार्यक्रम बनाया गया है।

(2) पारिस्थितिकीय परिरक्षण और पर्यावरण संरक्षण से संबंधित विभिन्न विधियों में स्कूली बच्चों की सहभागिता को बढ़ावा देने के लिए पारिकल्पों के एक नेटवर्क की स्थापना की गई है।

(3) राष्ट्रीय वनीकरण और पारि-विकास बोर्ड द्वारा पारि-पुनरुद्धार के क्षेत्र में स्वैच्छिक संगठनों के लिए सहायता अनुदान स्कीमें कार्यान्वित की जा रही है।

(4) गंगा परियोजना निदेशालय गंगा नदी के किनारों पर, विशेषकर हरिद्वार और इलाहाबाद के कुंभ मेलों जैसे महत्वपूर्ण उत्सवों के समय, प्रदर्शनियां लगाने अथवा पौधरोपण कार्यक्रम चलाने के लिए स्वैच्छिक एजेंसियों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है।